VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(03 April 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- भारत में 'जनसांख्यिकीय लाभांश' बर्बाद होने का खतरा: विश्व बैंक
- लोकसभा चुनाव के दौरान 'फेक न्यूज़', दुष्प्रचार और 'फैक्ट-चेक' का मुद्दा
- ईरान ने इजरायल से बदला लेने की कसम खाई

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

भारत में 'जनसांख्यिकीय लाभांश' बर्बाद होने का खतरा: विश्व बैंक

चर्चा में क्यों है?

- विश्व बैंक ने अपने दक्षिण एशिया क्षेत्रीय अपडेट, 'जॉब्स फॉर रेसिलिएंस' में चेतावनी दी है कि भारत अपने 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का उपयोग नहीं कर रहा है क्योंकि इस क्षेत्र भारत में रोजगार सृजन की गति कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्धि से काफी कम है।

भारत में 'जनसांख्यिकीय लाभांश' बर्बाद होने का खतरा क्यों है?

- भारत, जो पिछले साल 1.4 अरब लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश हो गया है, उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2023-24 में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो एक साल पहले 7 प्रतिशत थी।
- फिर भी, भारत सहित दक्षिण एशिया में 16% अधिक उत्पादन वृद्धि हो सकती है, यदि इनकी कामकाजी उम्र की आबादी का हिस्सा जो नियोजित है, वह अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बराबर हो जाये।

- विश्व बैंक ने कहा कि भारत सहित दक्षिण एशिया का रोजगार अनुपात, या नौकरियों में कामकाजी उम्र की आबादी का हिस्सा गिर रहा है, यह एक संकेत है कि देश अपनी युवा, बढ़ती आबादी के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन करने में विफल हो रहे हैं।
- दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फ्रांज़िस्का ओह्नसोरगे ने बताया, कि "यह एक गँवाया हुआ अवसर है। यह लगभग वैसा ही है जैसे जनसांख्यिकीय लाभांश को बर्बाद किया जा रहा है"।

भारत में बेरोजगारी की समस्या का कारण:

- बेरोजगारी का मुद्दा भारत में विशेष रूप से भयावह हो गया है, जो अपनी तीव्र आर्थिक वृद्धि के बावजूद पर्याप्त रोजगार पैदा करने के लिए संघर्ष कर रहा है।
- विश्व बैंक ने कहा कि भारत की रोजगार वृद्धि 2000-23 की अवधि के लिए उसकी कामकाजी आयु आबादी में औसत वृद्धि से "काफी नीचे" थी, जिसके परिणामस्वरूप देश के रोजगार अनुपात में 2022 तक नेपाल को छोड़कर क्षेत्र के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक गिरावट आई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण और सेवा जैसे क्षेत्रों में निजी कंपनियां कृषि क्षेत्र छोड़ने वाले श्रमिकों को अवशोषित करने के लिए पर्याप्त विकसित नहीं हुए हैं।

- महिलाओं के लिए नौकरियों की कमी एक और चुनौती है। भारत सहित कई दक्षिण एशियाई देशों में महिला रोजगार अनुपात दुनिया में सबसे कम, 40 प्रतिशत से भी कम है।
- भारत सरकार का तर्क है कि उसने नौकरियां पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सुधार और विकास को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भारी खर्च करना शामिल है।

भारत में रोजगार के विकास के लिए सुझाव:

- विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्र में कमजोर रोजगार रुझान गैर-कृषि क्षेत्रों में केंद्रित है, जो संस्थागत और आर्थिक माहौल में चुनौतियों को दर्शाता है, जिसने व्यवसायों की वृद्धि को रोक दिया था।
- ऐसे में रोजगार की वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए उसकी सिफारिशों में अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन करना, वित्त तक पहुंच बढ़ाना, व्यापार के लिए खुलापन बढ़ाना, वित्तीय क्षेत्र के नियमों को आसान बनाना और शिक्षा में सुधार करना शामिल था।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजगार को बढ़ावा देने के लिए और अधिक सुधारों के बिना, जैसे कि व्यापार बढ़ाना और निजी व्यवसायों के लिए भूमि तक पहुंच आसान बनाये बिना भारत सहित दक्षिण एशियाई देश अपने विकास लक्ष्यों तक पहुंचने में विफल रहेंगे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

लोकसभा चुनाव के दौरान 'फेक न्यूज़', दुष्प्रचार और 'फैक्ट-चेक' का मुद्दा:

चर्चा में क्यों है?

- 2 अप्रैल को 'अंतर्राष्ट्रीय फैक्ट-चेक दिवस' मनाया जाता है, जो एक वैश्विक पहल है जो परस्पर जुड़ी दुनिया में सटीक जानकारी की भूमिका को पहचानती है। इसे पहली बार IFCN (इंटरनेशनल फैक्ट-चेकिंग नेटवर्क) द्वारा 2016 में दुनिया भर में फैक्ट-चेकर्स के महत्वपूर्ण कार्यों को महत्व देने और उजागर करने के लिए मनाया गया था।

- इंटरनेशनल फैक्ट-चेकिंग नेटवर्क का मानना है कि केवल पेशेवर फैक्ट-चेकर्स को ही झूठी जानकारी का खंडन नहीं करना चाहिए, बल्कि एक स्वस्थ सूचना पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक है कि हर कोई सही तथ्यों को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाए।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

लोकसभा चुनावों के दौरान 'फैक्ट-चेक' का महत्व:

- उल्लेखनीय है कि भारत में लोकसभा चुनावों के दौरान, 'निष्पक्ष चुनाव' के समक्ष कई प्रकार के खतरे प्रचुर मात्रा में हैं - पारंपरिक गलत सूचना, जेनरेटिव एआई छवियां और वीडियो, और डीपफेक।
- ऐसे में 'फैक्ट-चेक' का महत्व पहले से कहीं अधिक महसूस किया जा रहा है, लेकिन वास्तव में 'फैक्ट-चेक' क्या है? 'फेक न्यूज़' क्या है और यह दुष्प्रचार से किस प्रकार भिन्न है?

फेक न्यूज़ क्या है?

- फेक न्यूज को झूठी समाचार कहानियों के रूप में परिभाषित किया है, जिसका अर्थ है कि कहानी मनगढ़ंत है और इसमें कोई सत्यापन योग्य तथ्य, स्रोत या उद्धरण नहीं हैं।
- कैम्ब्रिज डिक्शनरी फेक न्यूज को इस प्रकार परिभाषित करती है, "झूठी कहानियां जो समाचार प्रतीत होती हैं, इंटरनेट पर फैलाई जाती हैं या अन्य मीडिया का उपयोग करके, आमतौर पर राजनीतिक विचारों को प्रभावित करने के लिए या मजाक के रूप में बनाई जाती हैं"।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

ग़लत सूचना और दुष्प्रचार क्या होता है?

- गलत सूचना झूठी सूचना है, जो व्यक्ति इसे ऑनलाइन साझा करता है वह इसे सच मानता है और बिना किसी गलत इरादे या व्यक्तिगत एजेंडे के इसे साझा करता है।
- लेकिन दुष्प्रचार झूठी सूचना है, और जो व्यक्ति इसे फैला रहा है वह जानता है कि यह झूठी है। यह जानबूझकर बोला गया झूठ है।

फैक्ट चेक क्या होता है?

- ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी "फैक्ट चेक" को "तथ्यों को सत्यापित करने के लिए (किसी मुद्दे की) जांच" करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करती है।
- इसका मतलब है कि किसी ने उन तथ्यों को सत्यापित कर लिया है जो वे दावा कर रहे हैं, मान लीजिए कि कोई इसे साझा करने से पहले सोशल मीडिया पर देखे गए तथ्यों और आंकड़ों की जांच करता है।

फैक्ट चेक क्यों महत्वपूर्ण है?

- झूठी और भ्रामक जानकारी: ध्रुवीकरण का कारण बन सकती है या लोगों के विचारों को अक्सर धार्मिक या जातीय आधार पर अधिक चरम विचारों की ओर

स्थानांतरित कर सकती है, महत्वपूर्ण मुद्दों पर लोगों को गुमराह कर सकती है, व्यक्तियों या समूहों के बारे में दृष्टिकोण और रूढ़िवादिता को कठोर कर सकती है और गंभीर मामलों में दंगे भड़का सकती है और हिंसक स्थितियों में आग में घी डाल सकती है। ऐसे में फैक्ट चेक के द्वारा इन परिस्थितियों से बचा जा सकता है।

- उल्लेखनीय है कि फैक्ट चेक लोक सेवकों की जवाबदेही बढ़ाकर और सुशासन को बढ़ावा देने के साथ एक निरंतर जुड़ाव है; यह पत्रकारिता का सार है और रिपोर्टिंग में सटीकता की परियोजना के साथ इसका अनुभव है।

गलत सूचना क्यों बढ़ रही है?

- कुछ कारकों में जनसंचार उपकरणों का लोकतंत्रीकरण शामिल है, जो अब औसत व्यक्ति के लिए उपलब्ध हैं। इसमें व्यापक रूप से उपलब्ध इंटरनेट कनेक्शन और सस्ते डेटा प्लान शामिल हैं जिन्होंने लोगों को सोशल मीडिया तक आसानी से पहुंचने में सक्षम बनाया है।
- हालांकि कनेक्टिविटी बढ़ने के अपने फायदे हैं, निस्संदेह, इससे समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं क्योंकि पहली बार इंटरनेट का उपयोग करने वाले कई लोगों में मीडिया साक्षरता - समाचारों का उपभोग या व्याख्या करना सीखना और यह जानना कि किस पर विश्वास करना है- की कमी होती है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- भारत में, गलत सूचना विशेष रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में पनप रही है, क्योंकि वे अंग्रेजी या हिंदी मुख्यधारा मीडिया की जांच से दूर हैं, जिनके पास फैक्ट चेक के लिए अधिक संसाधन है।
- हालाँकि, डिजिटल या प्रसारण प्लेटफार्मों पर समाचारों को तुरंत ब्रेक करने की कोशिश में मुख्यधारा का मीडिया भी कई मौकों पर गलत सूचना का शिकार हुआ है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

ईरान ने इजरायल से बदला लेने की कसम खाई:

मामला क्या है?

- ईरान ने 2 अप्रैल को व्यापक रूप से इजरायल द्वारा किए गए हमले का जवाब देने की कसम खाई, जिसने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास को ध्वस्त कर दिया और दो ईरानी जनरलों सहित सात को मार डाला, जिससे मध्य पूर्व के देशों में संघर्ष और बढ़ने का खतरा बढ़ गया है।

- ईरान के राज्य टीवी ने बताया कि देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की अध्यक्षता में बैठक कर हमले के लिए "आवश्यक" प्रतिक्रिया पर निर्णय लिया।

सीरिया में ईरानी हितों पर अब तक के सबसे महत्वपूर्ण हमला:

- यह हमला सीरिया में ईरानी हितों पर अब तक के सबसे महत्वपूर्ण हमलों में से एक है, जहां इजरायल ने ईरान और उसके समर्थित समूहों के खिलाफ लंबे समय से चल रहे सैन्य अभियान को तेज कर दिया है क्योंकि गाजा युद्ध मध्य पूर्व में फैल गया है।

- उल्लेखनीय है कि इज़राइल ने बार-बार ईरान के सैन्य अधिकारियों को निशाना बनाया है, जो गाजा में और लेबनान के साथ अपनी सीमा पर इजरायल से लड़ने वाले आतंकवादी समूहों का समर्थन करता है।
- यह हमला 2020 में बगदाद पर अमेरिकी ड्रोन हमले में कुद्स फोर्स कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद से आईआरजीसी के लिए सबसे गंभीर हमलों में से एक था।

दमिश्क हमले पर इजरायल की प्रतिक्रिया:

- इज़राइल ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इजरायली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात करते हुए कहा कि "जिन लोगों पर हमला किया गया, वे इजरायल और अमेरिकी असेट पर कई हमलों के पीछे थे और अतिरिक्त हमलों की योजना बना रहे थे"।
- उल्लेखनीय है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से, ईरान के छद्मों संगठनों ने इजराइल पर हमले तेज कर दिए हैं, जिसके कारण हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच लगभग दैनिक सीमा पार आदान-प्रदान होता है, और लाल सागर शिपिंग पर लगातार हूती हमले होते हैं।

- हमास, जो गाजा पर शासन करता है और 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमला किया था, को भी ईरान का समर्थन प्राप्त है।
- इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने हमले का जिक्र किए बिना कहा कि इजरायल पूरे मध्य पूर्व में "बहु-मोर्चे पर युद्ध" कर रहा है ताकि धमकी देने वालों से कीमत वसूल की जा सके।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने बदला लेने की कसम खाई:

- ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बदला लेने की कसम खाई। उन्होंने कहा, "यहूदी शासन को हमारे बहादुर लोगों के हाथों सजा मिलेगी। हम उसे इस अपराध और उसके द्वारा किए गए अन्य अपराधों के लिए पछतावा कराएंगे"।
- खामनेई के राजनीतिक सलाहकार अली शामखानी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका "सीधे तौर पर जिम्मेदार है चाहे उसे इस हमले को अंजाम देने के इरादे के बारे में पता था या नहीं"।
- ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि हमला "राजनयिक और कांसुलर परिसर की हिंसा के मूलभूत सिद्धांत" का उल्लंघन था। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति पूर्ण अनादर दर्शाता है और ईरान और सीरिया दोनों को प्रतिक्रिया देने का अधिकार है।

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमले की निंदा की और "सभी संबंधित पक्षों से अत्यधिक संयम बरतने और आगे बढ़ने से बचने का आह्वान किया... इससे पहले से ही अस्थिर क्षेत्र में व्यापक संघर्ष हो सकता है"।

ईरान के समक्ष निवारक कार्यवाही की मजबूरी:

- यह हमला सीरिया में पहले की तुलना में ईरानी राज्य के हितों पर अधिक स्पष्ट इजरायली हमले को दर्शाता है।
- हालांकि ईरान व्यापक युद्ध में फंसने से बचना चाहता है, वह अपने क्षेत्रीय निवारक रुख की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए और अधिक मजबूती से जवाब देने के लिए मजबूर महसूस कर सकता है।
- ईरानी राज्य मीडिया ने कहा कि तेहरान का मानना है कि निशाना मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी था, जो मारे गए ब्रिगेडियर जनरलों में से एक था।

प्रमुख देशों की प्रतिक्रिया:

- फ्रांस की यात्रा पर गए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी लिंकन ने कहा कि वाशिंगटन दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले के बारे में तथ्यों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।
- रूस ने कहा कि हमला आक्रामकता का कार्य था और उसने इजराइल से ऐसी "बिल्कुल अस्वीकार्य" कार्रवाइयों को रोकने का आह्वान किया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQ:

Q.1. 'फैक्ट-चेक के महत्व' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह झूठी और भ्रामक जानकारी को फैलने से रोक कर समाज में सौहार्द और भाईचारा बढ़ता है।
2. यह लोक सेवकों की जवाबदेही को घटाकर और सुशासन को बढ़ावा देने के साथ एक निरंतर रूप से जुड़ा हुआ है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a)

Q.2. हाल में ईरान के वाणिज्यिक दूतावास पर के घातक हवाई हमले में दो ईरानी जनरलों सहित सात लोग मारे गए हैं। यह हमला किस शहर में हुआ है?

(a) बगदाद में

(b) खार्तूम में

(c) क़तर में

(d) दमिश्क में

Ans. (d)

Q.3. हाल ही में चर्चा में रहे 'अंतर्राष्ट्रीय फैक्ट-चेक दिवस' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 'अंतर्राष्ट्रीय फैक्ट-चेक दिवस' हर वर्ष 1 अप्रैल को मनाया जाता है।
2. इसे पहली बार इंटरनेशनल फैक्ट-चेकिंग नेटवर्क द्वारा 2016 में दुनिया भर में फैक्ट-चेकर्स के महत्वपूर्ण कार्यों को महत्व देने और उजागर करने के लिए मनाया गया था।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b)

Q.4. हाल ही में चर्चा में 'भारत सहित दक्षिण एशिया को लेकर क्षेत्रीय अपडेट' में विश्व बैंक ने भारत में रोजगार को बढ़ावा देनें के लिए निम्नलिखित कौन-सा/से सुझाव दिए है/हैं?

(a) अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन करना।

(b) वित्तीय क्षेत्र के नियमों को आसान बनाना।

(c) निजी व्यवसायों के लिए भूमि तक पहुंच आसान बनाना।

(d) उपर्युक्त सभी सुझाव दिए गए हैं।

Ans. (d)

Q.5. विश्व बैंक के क्षेत्रीय अपडेट, 'जॉब्स फॉर रेसिलिएंस' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके अनुसार भारत अपने 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का उपयोग नहीं कर रहा है।
2. भारत सहित कई दक्षिण एशियाई देशों में महिला रोजगार अनुपात दुनिया में सबसे कम है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c)